



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 21]

नई विश्वी, शनिवार, 23, मई 1992/ज्येष्ठ 2, 1914

No. 21]

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 23, 1992/JYAISTHA 2, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली है जिससे ऐक यह वलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भारत अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्रन प्राधिकरण

प्रधिकारी

नई विश्वी, 15 मई, 1992

सं. पर्स./भार.आर./1115/1/82/खण्ड-6/6560-अन्तर्राष्ट्रीय विमान-
पत्रन प्राधिकरण, अधिनियम, 1971 (1971 का 43) की धारा 37
की उपधारा (2) के खण्ड (अ) द्वारा प्रदत्त गतियों का प्रयोग करते
हुए, भारत अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्रन प्राधिकरण, कोन्वीय मरकार यी
पूर्वानुमति से, भारत अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्रन प्राधिकरण (प्रेष्युटी)
विनियम, 1984 में संशोधन करने के प्रयोगन से, प्रत्यवारा, निम्ननियत
विनियम बनाता है, अधीन—

1. (1) इन विनियमों को भारत अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्रन प्राधिकरण
(प्रेष्युटी) संशोधन विनियम, 1992 कहा जाएगा।

(2) इन्हें 1 अक्टूबर, 1986 को प्रवृत्त हुआ माना जाएगा।

2. भारत अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्रन प्राधिकरण (प्रेष्युटी) विनियम,
1984 में—

(1) विनियम 2 के उप-विनियम (अ) के स्वातं पर निम्नलिखित
को रखा जाएगा, अधीन—

(अ) परिलिंग्यों में वह अनियम बेतन अनियत है, जो
कर्मचारी द्वारा सेवा छोड़ने प्रथम उसकी मृत्यु होने
में तकाल पहले की तारीख को प्राप्त किया गया हो।
इसमें मूल बेतन, विशेष बेतन, महाराई भत्ता, अवकाश
बेतन, निवाह प्रतुदान तथा अद्वैतिक कर्मचारियों के
मामले में पारिश्रमिक शामिन है। प्रेष्युटी का आकस्मा
करने के लिए संग्रहीत परिलिंग्यों पर कोई प्रधिकरण
मीमा नहीं होगी।

(2) विनियम 2 के उप-विनियम (ज) की मद (9) के बाद
निम्नलिखित मद जोड़े जाएंगी, अधीन—

“(10) पूर्वमूल पुत्र की पत्नी”

(3) विनियम 3 के उप-विनियम (1) से संबंधित स्पष्टीकरण-3
के बाद निम्नलिखित स्पष्टीकरण जोड़े जायेंगे, अधीन—

“रप्टोटीकरण 4

किसी कर्मचारी के ल्यागपत्र / मेवा निश्चित के समय उराने
विश्व फ्रेशमानात्मक कार्यवाही प्रोत्तित अथवा विचाराद्वीन

हो तो उसे तब तक ग्रेचुटी का भुगतान नहीं किया जाएगा। जब तक उसके विछु बल रही कार्यवाही पूरी न हो जाए। अनुसासनात्मक कार्यवाही पूरी हो जाने पर, ग्रेचुटी की गति का भुगतान किया जाना, अनुसासनात्मक कार्यवाही के परिणाम और प्रदूषासनात्मक प्राक्षिकारी दाग किए गए आदेशों पर नियंत्रण करेगा। विनियम-3 के उपनियम (1) के उपर्युक्त के प्रावधान के अनुसार जिस कर्मचारी की सेवा दुराचरण के लिए समान जो जानी है, वह कोई ग्रेचुटी पाने का हकदार नहीं होगा।

मपटीकरण 5

जिन केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों को भारत अन्तर्राष्ट्रीय विमानपलन प्रशिक्षण में स्थायी आवास पर/त्रुत विनियमों पर आधार पर नियुक्त किया गया है, उनके मासिके में सरकार के अन्वेषन की गई उनकी पिछली सेवा को ग्रेचुटी के भुगतान के प्रयोजन में अद्वितीय सेवा की गंगणा करते रहमय परिवर्तित नहीं किया जाना चाहिए।”

(4) विनियम 3 के उपनियम (2) के स्थान पर नियमिति की रखा जाएगा, अर्थात्—

“(2) ग्रेचुटी को राशि इस प्रकार होगी—

(क) सेवा पूरी कर नियम प्रत्येक वर्ष या उमरी की महीने की वर्षभित्र से अधिक तिसी वार्ष के लिए मासिक परिविधियों के 15/26 दिन के वर्गवर्ग राशि, किन्तु यह है कि यह राशि अधिक से अधिक, मासिक परिविधियों के 11-1/2 (साते बाले) गुना अधिक 1,00,000 रु. जो भी कम हो, के वर्गवर्ग होगी।

(ख) मृत्यु की दण्ड में ग्रेचुटी को राशि उपरोक्त व्याप्ति (क) में उल्लिखित दरों या नीचे दो गुने दरों, जो भी अधिक हो, पर आकर्तिक की जाएगी।—

मृत्यु होने की रियति	ग्रेचुटी की गति
(क) सेवा के पहले वर्ष के दौरान 2 महीने की परिविधियाँ	
(ख) एक वर्ष की सेवा के बाद 6 महीने की परिविधियाँ	
किन्तु 5 वर्ष की सेवा से पहले	पिछले
(ग) 5 वर्ष की सेवा के बाद 12 महीने की परिविधियाँ	
किन्तु 20 वर्ष की सेवा से पहले	
(घ) 20 वर्ष या उमरे अधिक की सेवा के बाद प्रत्येक प्रत्येक वर्ष के लिए आधे महीने की परिविधियाँ, किन्तु यह है कि यह राशि अधिक से अधिक मासिक परिविधियों की 33 गुना होगी, किन्तु यह और कि मृत्यु की दशा में बनने वाली ग्रेचुटी को राशि किसी भी हालत में एक नाश रूप से अधिक नहीं होगी।	

व्याख्यात्मक विवरिति :—

मार्वेजिनिक उद्यम युद्धों के निवासों का ध्यान न रखते हुए इन विनियमों की पूर्वव्याप्ति 1 अक्टूबर, 1946 से की जा रही है। प्रमाणित किया जाता है कि इन विनियमों की पूर्वव्याप्ति में ऐसे किसी कर्मचारी, जिसकी वै विनियम आगे थी, पर विपरीत प्रणाली नहीं पैदा।

को माथूरा, अ. वन

INTERNATIONAL AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA NOTIFICATION

New Delhi, the 15th May, 1992

No. PERS/IR/1115/1/82/Vol. VI/6560.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (2) of section 37 of the International Airports Authority Act, 1971, (43 of 1971), the International Airports Authority of India, with the previous approval of the Central Government, hereby makes the following regulations further to amend the International Airports Authority of India (Gratuity) Regulations, 1984 namely:—

1. (1) These regulations may be called the International Airports Authority of India (Gratuity) Amendment Regulations, 1992.

(2) They shall be deemed to have come into force on 1st day of January, 1986.

2. In the International Airports Authority of India (Gratuity) Regulations, 1984,—

(1) for sub-regulation (f) of regulation 2, the following shall be substituted, namely :—

“(f) Emoluments mean the last pay drawn (which includes basic pay, special pay, dearness allowance, leave salary, subsistence grant and wages in the case of non-salaried employees) immediately preceding the date of quitting service or the date of his/her death. There will be no ceiling on reasonable emoluments for calculating the gratuity”.

(2) after item (ix) of sub-regulation (h) of regulation 2, the following shall be inserted namely:—

“(x) wife of a pre-deceased son”.

(3) after Explanation III to sub-regulation (1) of regulation 3, the following Explanations shall be inserted, namely:—

“Explanation IV

An employee against whom disciplinary action/proceedings is contemplated or pending at the time of resignation/retirement will not be paid gratuity unless the action/proceedings against him/her have been finalised. On finalisation of the disciplinary proceedings, the release of payment of amount of the gratuity will depend upon the final outcome of the disciplinary proceedings and keeping in view the orders of the disciplinary authority. No gratuity will be admissible to an employee whose services are terminated for misconduct as provided in the second proviso to sub-regulation (1) of regulation 3.

Explanation V

In respect of the Central Government employees who have been appointed in International Airports Authority of India on permanent/immediate absorption basis, the previous service rendered under the Government should not be taken into account while computing the qualifying service for payment of gratuity".

(4) for sub-regulation (2) of regulation 3, the following shall be substituted, namely:—

"(2) Amount of gratuity shall be —

- (a) equal to 15/26 days of a month's emoluments for each completed year of service or part thereof in excess of six months subject to a maximum of 16-1/2 times the monthly emoluments or Rs. 1,00,000 whichever is less.
- (b) in the case of death, the amount of gratuity will be as calculated at the rate specified in clause (a) above or at the rates specified below, whichever is more:—

Where death occurs	Amount of Gratuity
(a) during the first year of service	2 months emoluments
(b) after completion of one year but before 5 years,	6 months emoluments
(c) after completion of 5 years but before 20 years service,	12 months emoluments
(d) after completion of service of 20 years or more.	half a month's emoluments for completed half year of qualifying service subject to the maximum of 33 times the monthly emoluments provided the amount of death gratuity shall in no case exceed one lakh rupees."

Explanatory Memorandum:—

In view of Bureau of Public Enterprise's instruction, the Regulations are being given retrospective effect from 1st January, 1986. It is certified that the retrospective effect given to these regulations will not affect adversely any employee to whom these Regulations apply.

V. K. MATHUR, CHAIRMAN.

